

DAILY CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

14 APRIL 2025

THE HINDU

The Indian EXPRESS

HT Hindustan Times

UPSC (IAS/PCS) AND ALL
COMPITETIVE EXAM

दैनिक जागरण

जनसत्ता



ABHAY SIR



Events in News



- बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती
- छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं जयंती (2025)
- दुनिया का सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर
- मेनिनजाइटिस पर WHO की नई वैश्विक गाइडलाइन
- मॉरीशस बना ISA के 'कंट्री पार्टनरशिप



बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती



प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले व्यक्ति थे।
2. उन्होंने भारत में जल नीति और रिजर्व बैंक की स्थापना के लिए कोई भूमिका नहीं निभाई थी।
3. उन्होंने 'जाति का उन्मूलन' (Annihilation of Caste) नामक पुस्तक लिखी थी।

उपयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- A. केवल 1 और 3
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1
- D. सभी 1, 2 और 3



बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती



Daily Current News

- **प्रस्तावना:**
- डॉ. भीमराव अंबेडकर, जिन्हें 'बाबा साहेब' के नाम से जाना जाता है, भारत के एक महान विधिवेत्ता, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और संविधान निर्माता थे।
- उनकी जयंती, 14 अप्रैल को, सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है।





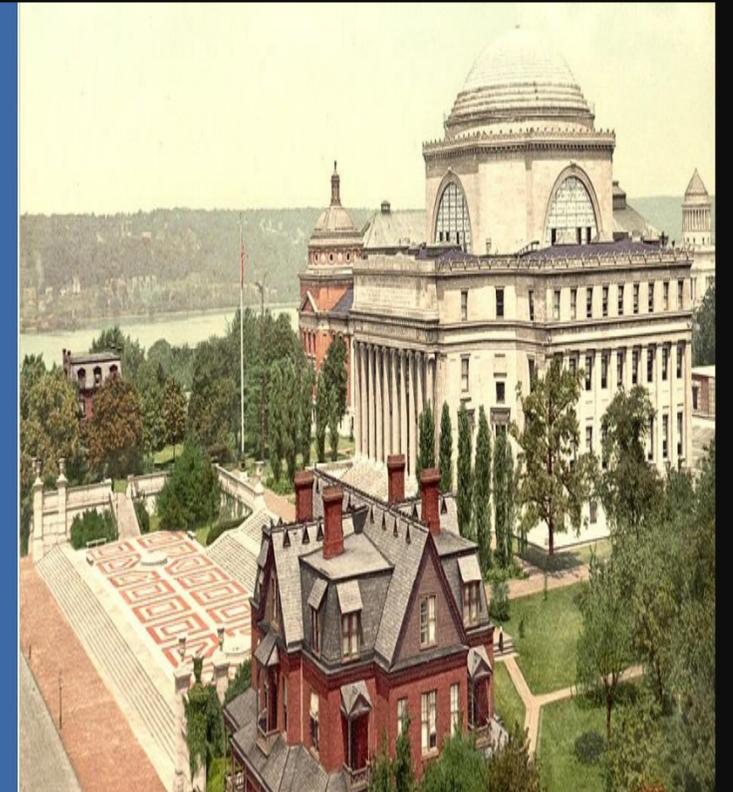
- **जीवन परिचय:**
- डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महु (मध्य प्रदेश) में एक महार जाति के परिवार में हुआ था, जिसे उस समय अछूत माना जाता था।
- उनके पिता रामजी मालोजी सकपाल ब्रिटिश भारतीय सेना में सूबेदार थे। बचपन में ही उन्होंने छुआछूत और सामाजिक भेदभाव का तीव्र अनुभव किया।





- डॉ. अंबेडकर ने अपनी शिक्षा को अपना हथियार बनाया। उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय से स्नातक किया, फिर कोलंबिया विश्वविद्यालय (अमेरिका) से एम.ए. और पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।
- इसके बाद उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डी.एससी. किया और बार-एट-लॉ की डिग्री भी प्राप्त की।

HISTORY OF
Columbia
University



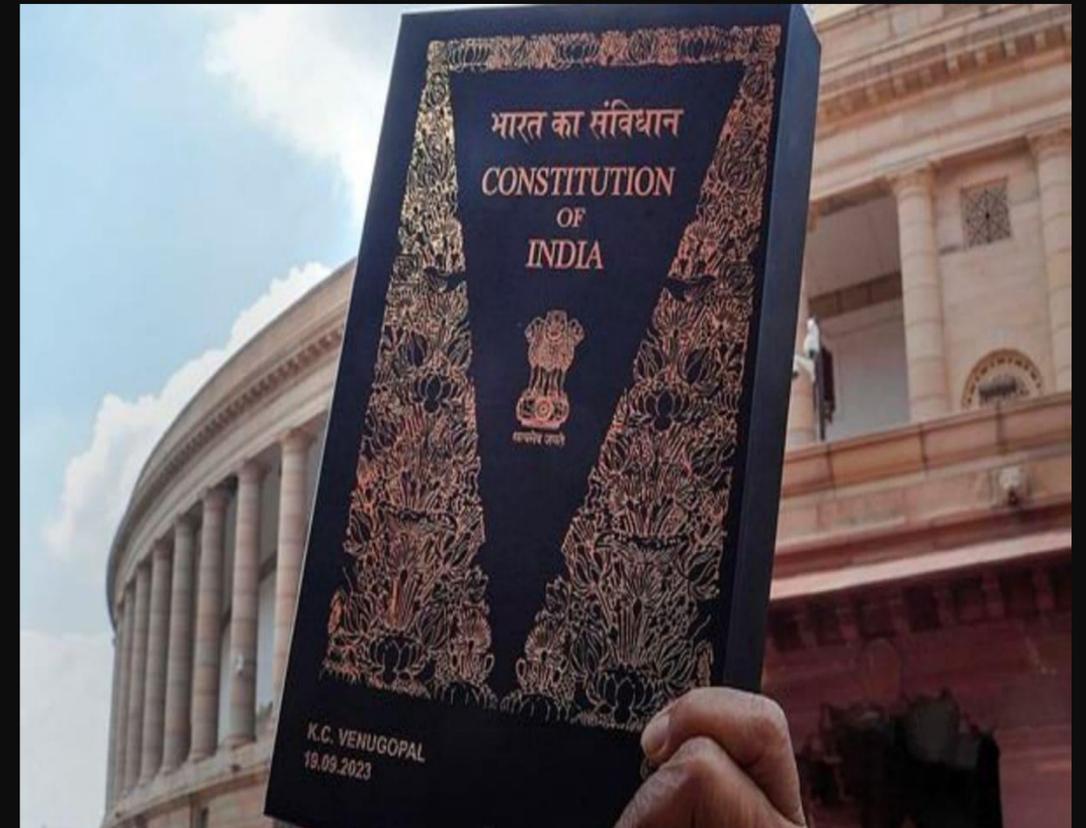


- **निधन:**
- डॉ. अंबेडकर का निधन 6 दिसंबर 1956 को हुआ। उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न (1990) से सम्मानित किया गया।





- डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रमुख योगदान :-
- 1. संविधान निर्माण में योगदान:
- डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।
- उन्होंने एक समावेशी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक संविधान की नींव रखी।
- उन्होंने कमजोर वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए अनुच्छेद 15, 16, 17 और 46 जैसे प्रावधान सुनिश्चित किए।
- उन्होंने कहा:
- “संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है, यह जीवन का यंत्र है।”





- **2. सामाजिक न्याय और दलित उत्थान:**
- डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध एक संघर्ष था।
- उन्होंने छुआछूत के उन्मूलन और दलितों को बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए कई आंदोलनों का नेतृत्व किया, जैसे:
- महाड़ सत्याग्रह (1927) – दलितों को पानी के अधिकार के लिए।
- नासिक का कालाराम मंदिर आंदोलन – मंदिर में प्रवेश की मांग।
- उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' (1924) की स्थापना की, जो सामाजिक सुधार के लिए कार्यरत थी।





- **3. शिक्षा का प्रसार:**
- अंबेडकर मानते थे कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है।
- उनका प्रसिद्ध नारा:
“शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो”
- उन्होंने दलितों और वंचितों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया और कई छात्रावास, विद्यालयों की स्थापना की।





- **4. आर्थिक सोच और नीति निर्माण:**
- डॉ. अंबेडकर प्रशिक्षित अर्थशास्त्री थे – उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डिग्रियाँ प्राप्त कीं।
- उनके विचार औद्योगीकरण, राजकोषीय संघवाद, भूमि सुधार, और मजदूरों के अधिकार के पक्ष में थे।





- **उन्होंने:**
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गठन के लिए नींव तैयार की (Hilton Young Commission में दिए गए सुझावों से)।
- वाटर कमीशन, डैम्ब निर्माण नीति, और सिंचाई परियोजनाओं पर महत्वपूर्ण विचार दिए।
- उन्होंने श्रमिकों के लिए 8 घंटे का कार्य दिवस, भत्ते, और सुरक्षा जैसी नीतियों की पैरवी की।





- **5. महिला सशक्तिकरण:**
- उन्होंने महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए आवाज़ उठाई।
- हिंदू कोड बिल का प्रस्ताव दिया जिसमें महिलाओं को संपत्ति, विवाह, उत्तराधिकार में बराबरी का अधिकार मिलना था (हालांकि यह उस समय पूरी तरह पारित नहीं हो सका)।
- **वे कहते थे:**
- “किसी समाज की प्रगति उस समाज की महिलाओं की प्रगति से मापी जाती है।”





- **6. धर्म और आत्म-सम्मान आंदोलन:**
- हिंदू धर्म में व्याप्त जाति-व्यवस्था से निराश होकर उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया।
- 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली।
- यह सिर्फ धर्मांतरण नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और गरिमा की पुनर्स्थापना थी।



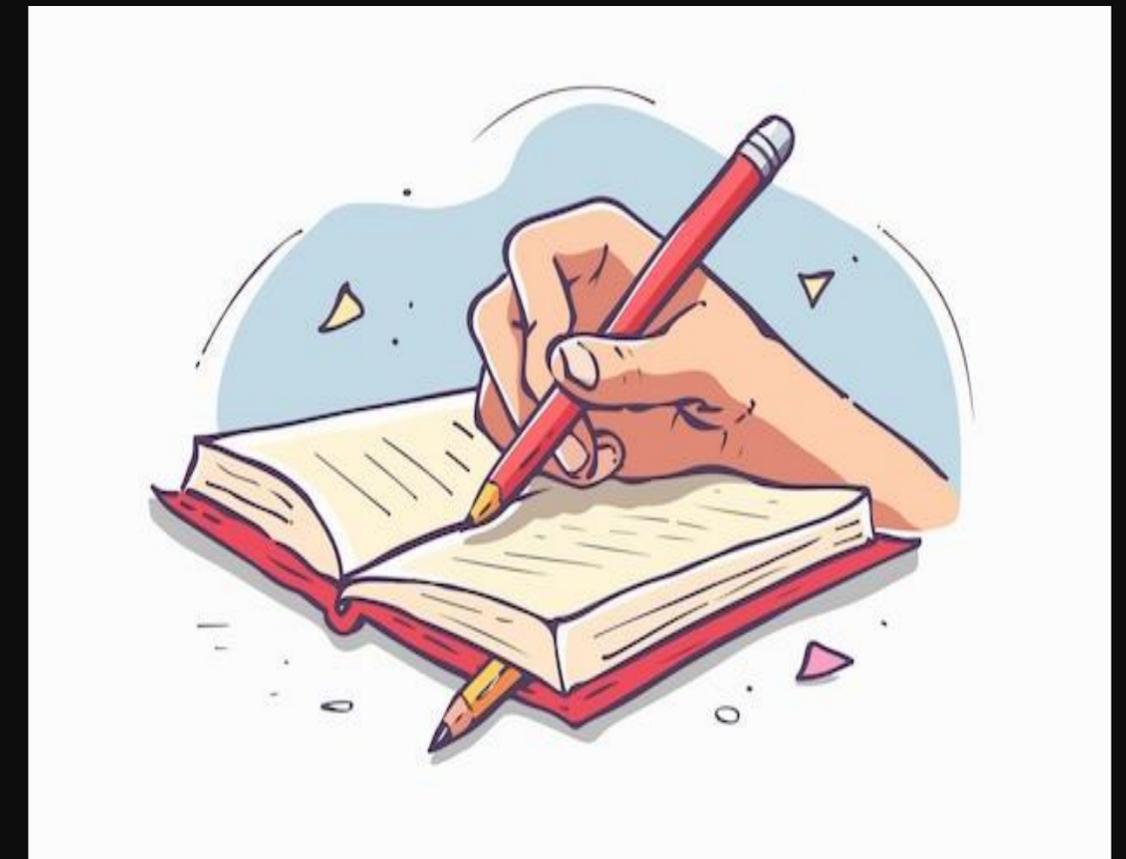


- **7. राजनीतिक नेतृत्व:**
- उन्होंने शेड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन और बाद में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की स्थापना की।
- वे मानते थे कि राजनीतिक शक्ति के बिना सामाजिक परिवर्तन अधूरा है।





- **उद्धरण: निबंध के लिए:-**
- “I measure the progress of a community by the degree of progress which women have achieved.”
- “Constitution is not a mere lawyer's document, it is a vehicle of Life, and its spirit is always the spirit of Age.”



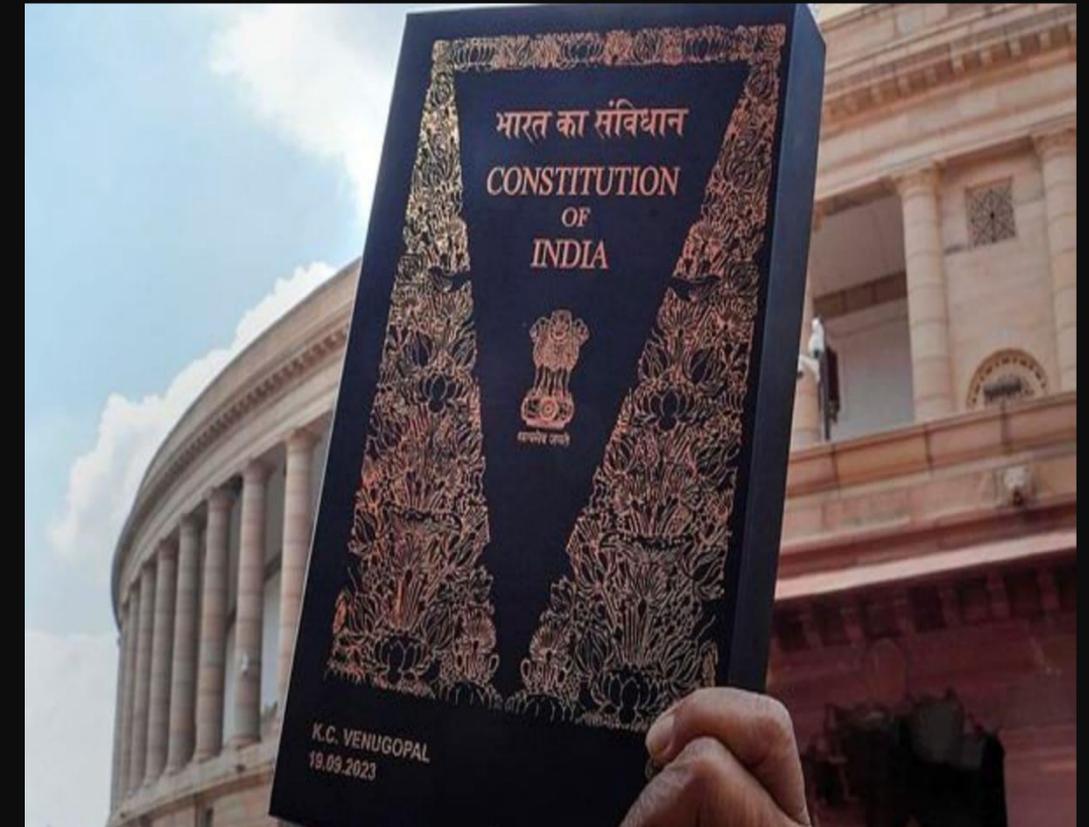


- डॉ. भीमराव अंबेडकर – शॉर्ट नोट्स (To the Point)
- 1. जीवन परिचय:
 - जन्म: 14 अप्रैल 1891, महु (म.प्र.) – महार जाति में।
- शिक्षा:
 - बॉम्बे यूनिवर्सिटी – ग्रेजुएट
 - कोलंबिया यूनिवर्सिटी – M.A., Ph.D.
 - लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स – D.Sc.
 - ग्रेज इन से – बार-एट-लॉ





- **2. संविधान निर्माण:**
- संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष।
- समावेशी, धर्मनिरपेक्ष और न्यायप्रिय संविधान की नींव।
- अनुच्छेद 15, 16, 17 और 46 – सामाजिक न्याय के स्तंभ।
- प्रसिद्ध कथन: “संविधान जीवन का यंत्र है।”





- **3. सामाजिक न्याय और दलित उत्थान:**
- महाड़ सत्याग्रह (1927) – पानी के अधिकार के लिए।
- कालाराम मंदिर आंदोलन – मंदिर प्रवेश अधिकार।
- बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1924) – दलित कल्याण के लिए।





- **4. शिक्षा के लिए योगदान:**
- शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना।
- प्रसिद्ध नारा: “शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।”
- छात्रों के लिए छात्रावास, स्कूलों की स्थापना।





- **5. आर्थिक विचार:**
- प्रशिक्षित अर्थशास्त्री; औद्योगीकरण और श्रम कल्याण पर बल।
- RBI की स्थापना में भूमिका (Hilton Young Commission)।
- 8 घंटे कार्य दिवस, मजदूरों के अधिकारों के पक्षधर।





- **6. महिला सशक्तिकरण:**
- हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति व विवाह अधिकार दिलाने की कोशिश।
- उद्धरण: “समाज की प्रगति महिलाओं की प्रगति से मापी जाती है।”
- **7. बौद्ध धर्म ग्रहण:**
- जाति प्रथा से आहत होकर 14 अक्टूबर 1956 को बौद्ध धर्म अपनाया।
- यह आत्मसम्मान और गरिमा की पुनर्स्थापना थी।





- **8. राजनीतिक योगदान:**
- 'शेड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन' और 'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया' की स्थापना।
- सामाजिक परिवर्तन के लिए राजनीतिक ताकत को आवश्यक माना।



RPI (A)
Republican Party Of India
(Ambedkar)





प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले व्यक्ति थे।
2. उन्होंने भारत में जल नीति और रिजर्व बैंक की स्थापना के लिए कोई भूमिका नहीं निभाई थी।
3. उन्होंने 'जाति का उन्मूलन' (Annihilation of Caste) नामक पुस्तक लिखी थी।

उपयुक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- A. केवल 1 और 3
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1
- D. सभी 1, 2 और 3





उत्तर: A. केवल 1 और 3

व्याख्या:

कथन 1 सही है: डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान सभा

• के ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे और संविधान निर्माण में उनकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही।

• कथन 2 गलत है: डॉ. अंबेडकर ने न केवल भारत की

जल नीति पर काम किया, बल्कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना के लिए 1930 में

Hilton Young Commission को सुझाव भी दिए थे।

• कथन 3 सही है: उन्होंने "Annihilation of Caste"

नामक एक क्रांतिकारी पुस्तक लिखी जो जाति व्यवस्था की आलोचना पर आधारित थी।





छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं जयंती (2025)

छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं जयंती



Daily Current News

- **प्रस्तावना:**
- छत्रपति शिवाजी महाराज, मराठा साम्राज्य के संस्थापक, भारत के इतिहास में एक महान योद्धा, कुशल प्रशासक और जननायक के रूप में जाने जाते हैं।
- उनकी 345वीं जयंती (जन्म: 19 फरवरी 1630) 2025 में पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है।



छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं जयंती



Daily Current News

- **जीवन परिचय:**
- जन्म: 19 फरवरी 1630, शिवनेरी दुर्ग, महाराष्ट्र
- पिता: शाहजी भोंसले (मराठा सेनापति)
- माता: जीजाबाई (धार्मिक और संस्कारी महिला, जिन्होंने शिवाजी को प्रेरित किया)
- मृत्यु: 3 अप्रैल 1680, रायगढ़ दुर्ग



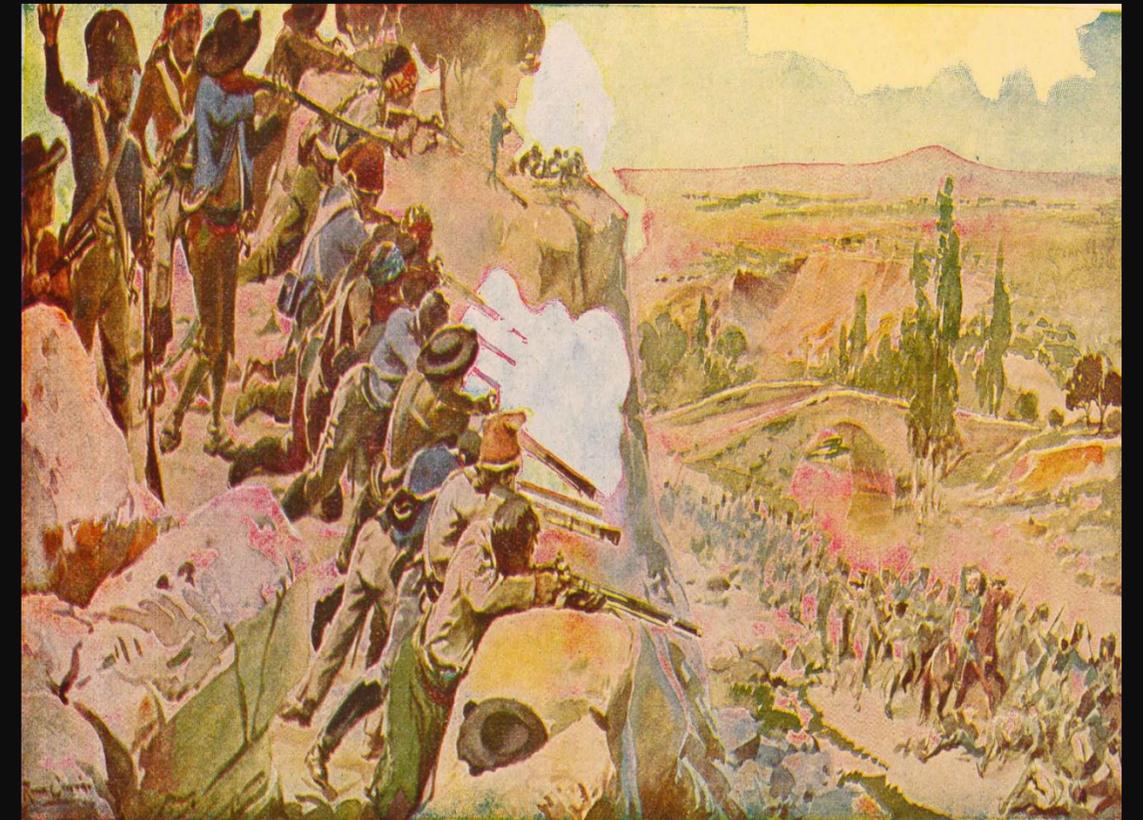


- प्रमुख योगदान और उपलब्धियाँ:
- 1. मराठा साम्राज्य की स्थापना:
- 1674 में रायगढ़ में छत्रपति की उपाधि धारण कर मराठा राज्य की नींव रखी।
- स्वराज्य की अवधारणा को मूर्त रूप दिया – “हिंदवी स्वराज्य।”





- **2. गुरिल्ला युद्ध नीति (गणिमी कावा):**
- शिवाजी ने छोटी सेनाओं और छापामार युद्ध शैली का कुशल प्रयोग किया।
- सह्याद्रि के दुर्गों और जंगलों का सामरिक उपयोग किया।
- **3. प्रशासनिक दृष्टिकोण:**
- आठ मंत्री परिषद "अष्टप्रधान मंडल" का गठन।
- भूमि कर सुधार, धार्मिक सहिष्णुता और न्याय प्रणाली को व्यवस्थित किया।





- **4. समरसता और धर्मनिरपेक्षता:**
 - मुस्लिमों के पूजा स्थलों या धर्म पर आक्रमण नहीं किया।
 - अपने सैनिकों और अधिकारियों में सभी धर्मों के लोगों को स्थान दिया।
- **5. समुद्री शक्ति का विकास:**
 - नौसेना का गठन – "सिंधुदुर्ग", "विजयदुर्ग" जैसे किले बनाए।
 - पुर्तगालियों और अंग्रेजों के प्रभाव को नियंत्रित किया।





- **1. रायगढ़ किला –**
- स्थान: रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र, सह्याद्री पर्वतमाला में स्थित।
- समुद्र तल से ऊँचाई: लगभग 2,700 फीट
- प्रसिद्धि: मराठा साम्राज्य की राजधानी और शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक स्थल।





- **2. शिवाजी महाराज और रायगढ़ किला:**
- किले का विकास:
- शिवाजी ने रायगढ़ को एक साधारण किले से बदलकर मराठा साम्राज्य की भव्य राजधानी बनाया।
- इसमें राजमहल, न्यायसभा, बाजार, हथियारागार, और गणेश द्वार जैसे संरचनात्मक चमत्कार शामिल थे।





- **राज्याभिषेक:**
- 6 जून 1674 को शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक यहीं हुआ, और उन्होंने "छत्रपति" की उपाधि धारण की।
- यह घटना हिंदवी स्वराज्य की आधिकारिक शुरुआत मानी जाती है।
- **प्रशासनिक केंद्र:**
- रायगढ़ से ही उन्होंने अपने साम्राज्य का विस्तार और प्रशासन चलाया।
- यहीं पर अष्टप्रधान मंडल का कार्य संचालन हुआ करता था।





- **मृत्यु और समाधि:**
- शिवाजी महाराज का निधन 3 अप्रैल 1680 को यहीं हुआ।
- उनकी समाधि भी रायगढ़ किले पर स्थित है, जो एक श्रद्धा का केंद्र है।
- **3. सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व:**
- रायगढ़ सिर्फ एक किला नहीं, मराठा अस्मिता और स्वराज्य की भावना का प्रतीक है।
- यह जगह आज भी देशभक्ति, नेतृत्व और वीरता की प्रेरणा देती है।





- छत्रपति शिवाजी महाराज – शॉर्ट नोट्स (To the Point)
- 1. जीवन परिचय:
- जन्म: 19 फरवरी 1630, शिवनेरी दुर्ग, महाराष्ट्र
- पिता: शाहजी भोंसले (मराठा सेनापति)
- माता: जीजाबाई (धार्मिक, प्रेरणास्रोत)
- मृत्यु: 3 अप्रैल 1680, रायगढ़ किला



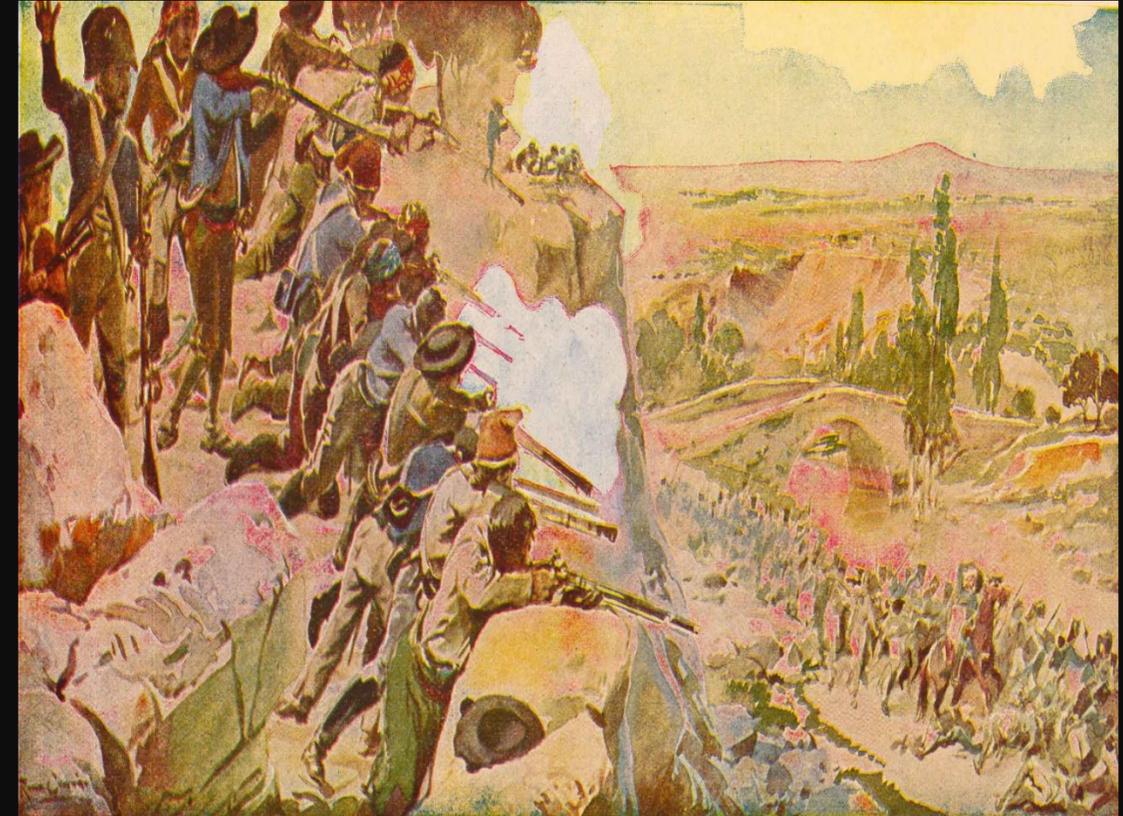


- **2. प्रमुख उपलब्धियाँ:**
- i. मराठा साम्राज्य की स्थापना:
- 1674 में रायगढ़ में राज्याभिषेक – छत्रपति की उपाधि
- हिंदवी स्वराज्य की स्थापना





- **ii. युद्ध नीति – "गणिमी कावा":**
 - छापामार युद्ध शैली का प्रयोग
 - सह्याद्रि पर्वतों और दुर्गों का उपयोग
- **iii. प्रशासनिक व्यवस्था:**
 - अष्टप्रधान मंडल का गठन
 - न्याय, कर और धर्मनिरपेक्ष प्रशासन





- **iv. धार्मिक सहिष्णुता:**
 - सभी धर्मों का सम्मान
 - पूजा स्थलों की सुरक्षा
- **v. नौसेना का विकास:**
 - सिंधुदुर्ग, विजयदुर्ग जैसे किलों का निर्माण
 - समुद्री मार्गों की रक्षा





- **3. रायगढ़ किला – शिवाजी का गढ़:**
- स्थान: रायगढ़, महाराष्ट्र
- उँचाई: ~2700 फीट
- 1674 में यहीं राज्याभिषेक हुआ
- शिवाजी की मृत्यु और समाधि यहीं स्थित
- शासन का प्रमुख केंद्र और अष्टप्रधानों का संचालन स्थल
- **4. सांस्कृतिक महत्व:**
- रायगढ़ – मराठा गौरव और स्वराज्य का प्रतीक
- आज भी वीरता, नेतृत्व और राष्ट्रवाद की प्रेरणा





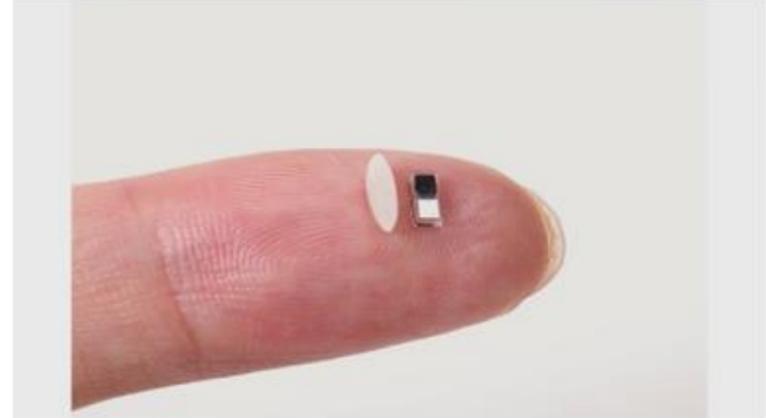
दुनिया का सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर

सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दुनिया का सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर विकसित किया है, जो हृदय रोगों के इलाज में एक क्रांतिकारी कदम है।
- **प्रमुख विशेषताएँ**
- आकार: यह पेसमेकर चावल के दाने से भी छोटा है, जिसकी माप लगभग 1.8 मिमी चौड़ाई, 3.5 मिमी लंबाई और 1 मिमी मोटाई है।
- इंजेक्शन द्वारा प्रत्यारोपण: इसका आकार इतना छोटा है कि इसे सर्जरी के बिना, केवल एक सिरिंज के माध्यम से शरीर में इंजेक्ट किया जा सकता है।



यह पेसमेकर आकार में चावल के एक दाने से भी छोटा है। साथ ही इसे बिना किसी ऑपरेशन के सिरिंज की मदद से शरीर में इंजेक्ट किया जा सकता है। फोटो: जॉन ए रोजर्स/नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी

स्वास्थ्य

वैज्ञानिकों ने बनाया दुनिया का सबसे छोटा पेसमेकर, स्वास्थ्य क्षेत्र में लाएगा क्रांति?

यह पेसमेकर आकार में इतना छोटा है कि इसे इंजेक्शन के जरिए भी शरीर में इंजेक्ट किया जा सकता है। वहीं काम खत्म होने पर यह अपने आप शरीर में घुलकर खत्म हो जाता है

- **सोर्स :- डाउन टू अर्थ**

सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- घुलनशीलता:** यह पेसमेकर शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क में आने के बाद धीरे-धीरे घुल जाता है, जिससे इसे निकालने के लिए किसी सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती।
- प्रकाश-सक्रिय नियंत्रण:** यह एक नरम, वायरलेस डिवाइस के साथ काम करता है, जो मरीज की छाती पर पहना जाता है।
- जब यह डिवाइस अनियमित दिल की धड़कन का पता लगाता है, तो यह त्वचा और मांसपेशियों के माध्यम से प्रकाश की एक छोटी सी पल्स भेजता है, जिससे पेसमेकर सक्रिय हो जाता है और दिल की धड़कन को सामान्य करता है।



सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **नवजात शिशुओं के लिए विशेष उपयोग**
- यह पेसमेकर विशेष रूप से उन नवजात शिशुओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिनमें जन्म से ही हृदय संबंधी दोष होते हैं।
- ऐसे मामलों में, ऑपरेशन के बाद दिल की धड़कन को नियंत्रित रखने के लिए अस्थायी पेसिंग की आवश्यकता होती है।
- यह घुलनशील पेसमेकर इस आवश्यकता को बिना अतिरिक्त सर्जरी के पूरा करता है, जिससे संक्रमण और अन्य जटिलताओं का जोखिम कम होता है।

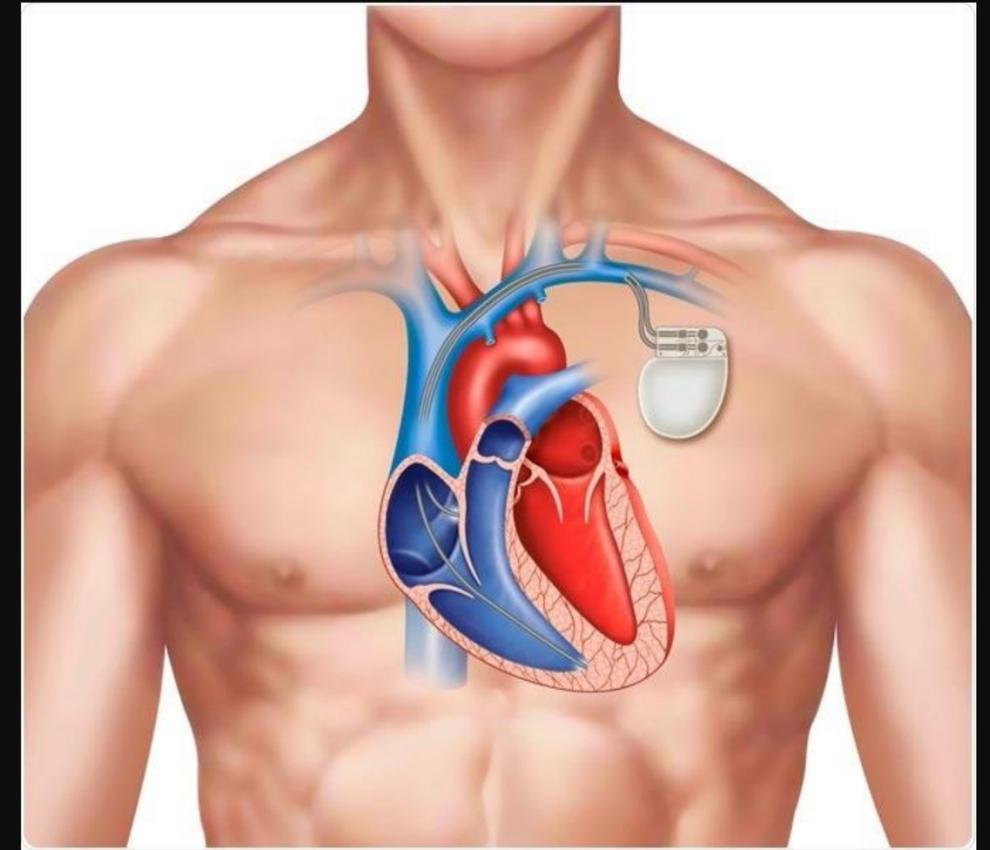


सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **कार्यप्रणाली**
- **ऊर्जा स्रोत:** इस पेसमेकर में दो अलग-अलग धातुओं का उपयोग किया गया है, जो शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क में आने पर बैटरी की तरह काम करते हैं और आवश्यक विद्युत संकेत प्रदान करते हैं।
- **प्रकाश-सक्रिय नियंत्रण:** यह एक नरम, वायरलेस डिवाइस के साथ काम करता है, जो मरीज की छाती पर पहना जाता है।
- जब यह डिवाइस अनियमित दिल की धड़कन का पता लगाता है, तो यह त्वचा और मांसपेशियों के माध्यम से प्रकाश की एक छोटी सी पल्स भेजता है, जिससे पेसमेकर सक्रिय हो जाता है और दिल की धड़कन को सामान्य करता है।

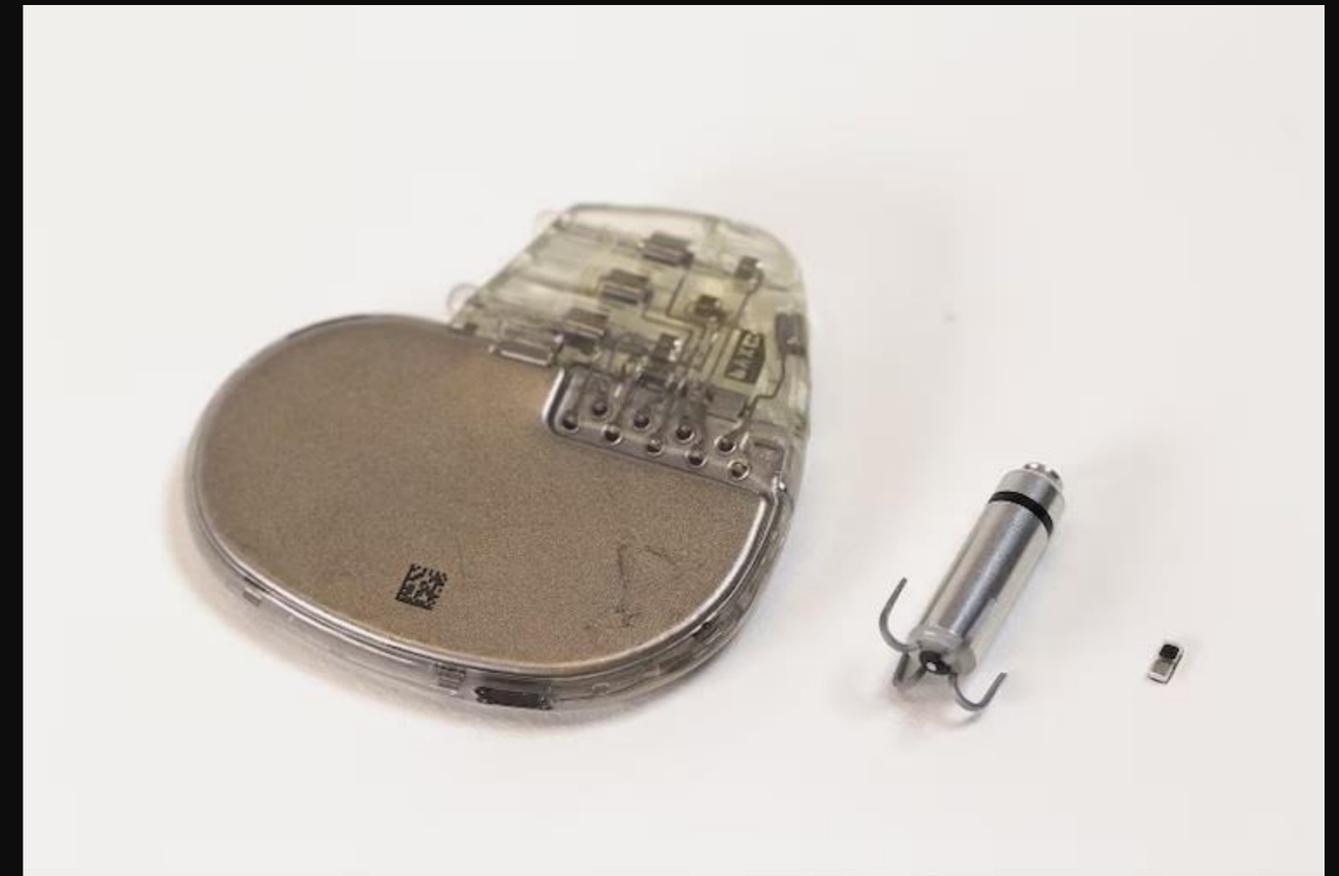


सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



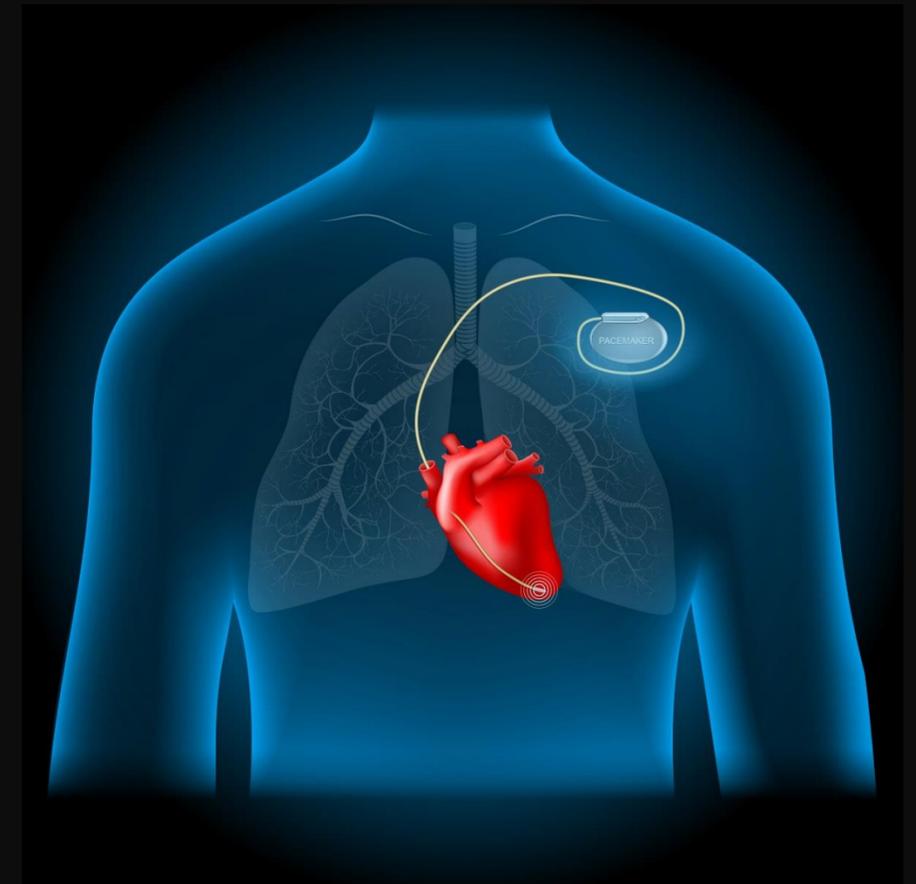
Daily Current News

- **भविष्य की संभावनाएँ**
- शोधकर्ताओं का मानना है कि यह तकनीक न केवल बच्चों में, बल्कि वयस्कों में भी उपयोगी हो सकती है।
- भविष्य में, इसका उपयोग नसों और हड्डियों को जोड़ने, घाव भरने और दर्द कम करने जैसे उपचारों में भी किया जा सकता है।





- **पेसमेकर का इतिहास और आविष्कारक**
- **1889:** ब्रिटिश चिकित्सक जॉन अलेक्जेंडर मैकविलियम ने पहली बार विद्युत उत्तेजना द्वारा हृदय की धड़कन को नियंत्रित करने का प्रयोग किया।
- **1926:** ऑस्ट्रेलियाई डॉक्टर मार्क सी. लिडविल और भौतिक विज्ञानी एडगर एच. बूथ ने पहला पोर्टेबल पेसमेकर विकसित किया।
- **1932:** अमेरिकी फिजियोलॉजिस्ट अल्बर्ट हाइमन ने "आर्टिफिशियल पेसमेकर" शब्द का उपयोग करते हुए एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरण विकसित किया।

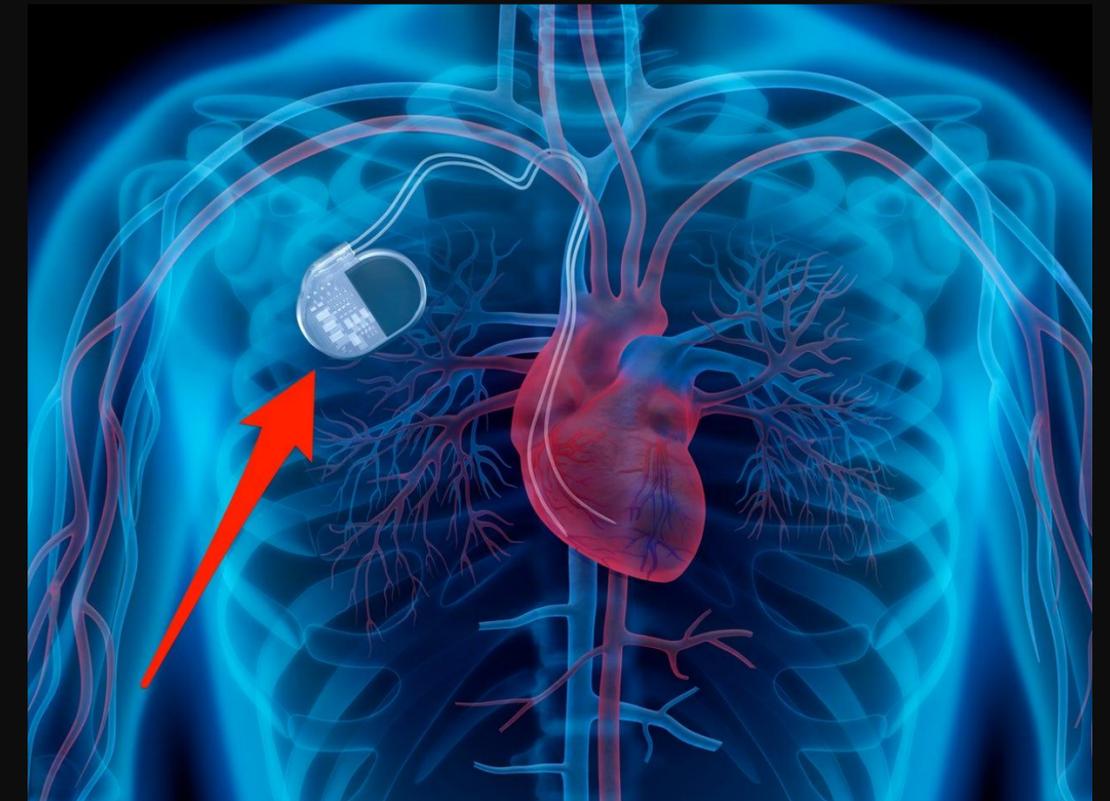


सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **1958:** स्वीडन के सर्जन Åke Senning और इंजीनियर Rune Elmqvist ने पहला इम्प्लांटेबल पेसमेकर विकसित किया और Arne Larsson नामक मरीज में प्रत्यारोपित किया।
- **1960:** अमेरिकी इंजीनियर विल्सन ग्रेटबैच ने पहला सफल इम्प्लांटेबल पेसमेकर विकसित किया, जो प्राथमिक सेल (मरकरी बैटरी) द्वारा संचालित था।

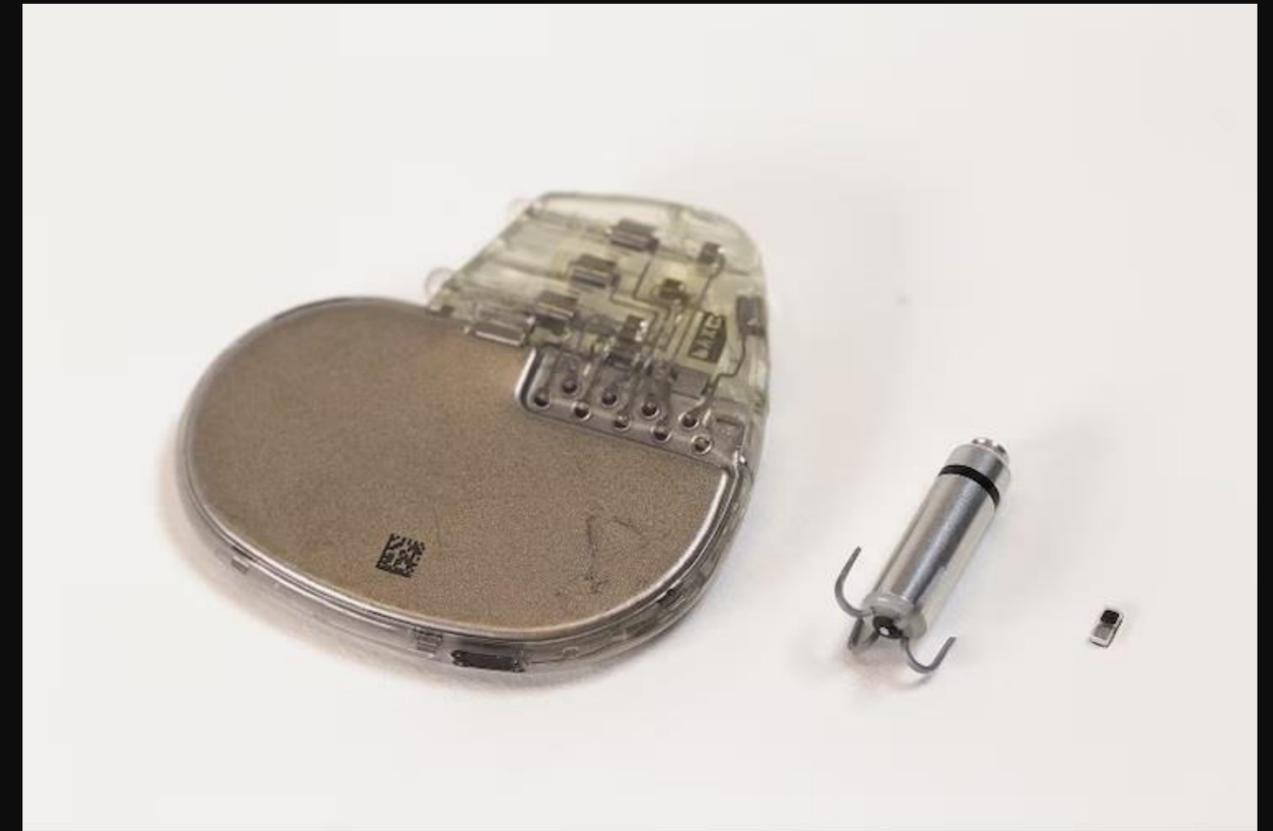


सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **पेसमेकर क्या है?**
- पेसमेकर एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है जो हृदय की धड़कनों को नियमित और सामान्य बनाए रखने में मदद करता है।
- जब दिल की गति असामान्य (धीमी या अनियमित) हो जाती है, तो यह उपकरण इलेक्ट्रिकल सिग्नल देकर दिल को सही ताल में धड़कने के लिए प्रेरित करता है।

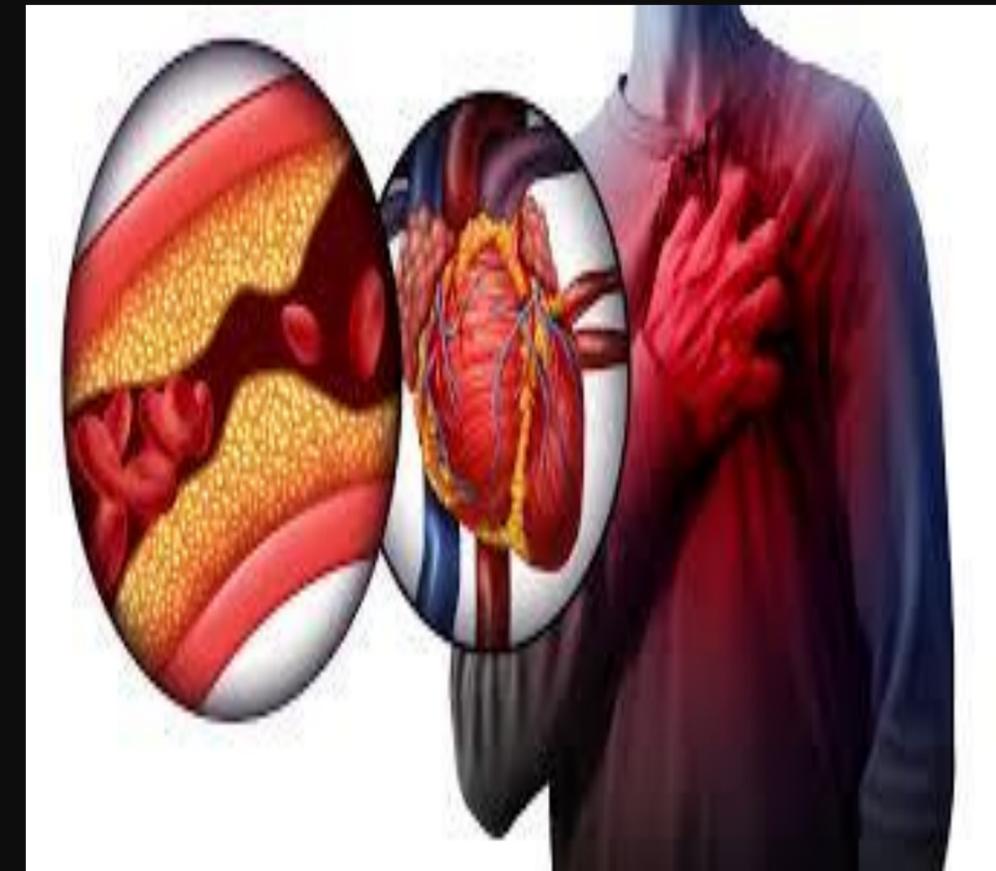


सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



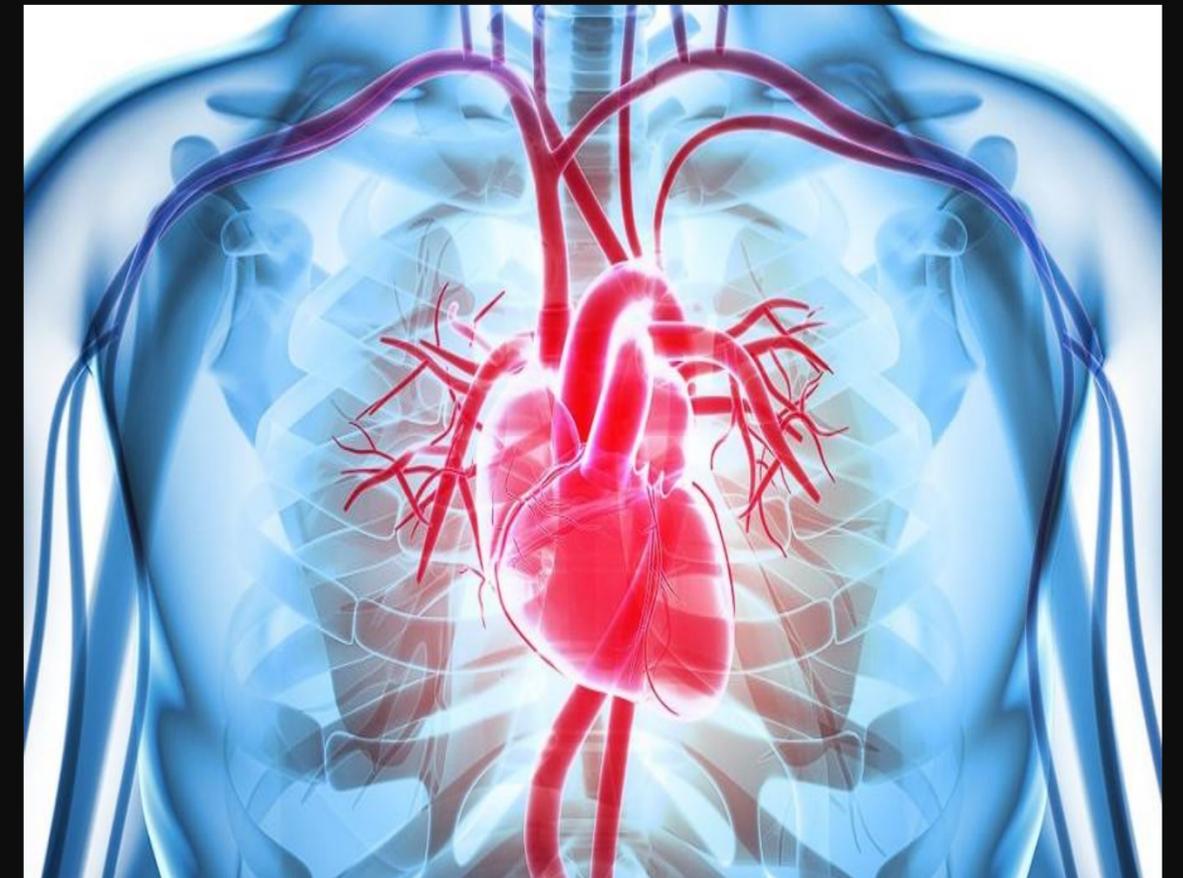
Daily Current News

- **मुख्य उपयोग (Applications):**
- **1. ब्रैडीकार्डिया (Bradycardia)**
- जब दिल की धड़कन असामान्य रूप से धीमी हो जाती है, पेसमेकर उसे सामान्य करता है।
- **2. हृदय अवरोध (Heart Block)**
- जब दिल के ऊपरी और निचले कक्षों के बीच सिग्नल ट्रांसमिशन बाधित होता है।





- **3. हृदय की विफलता (Heart Failure)**
- कुछ मामलों में विशेष प्रकार के पेसमेकर (CRT – Cardiac Resynchronization Therapy) हृदय गति को समन्वित करते हैं।
- **4. अस्थायी पेसिंग**
- हृदय सर्जरी या गंभीर हार्ट अटैक के बाद अस्थायी रूप से पेसमेकर लगाया जाता है।



सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **5. नवजात शिशु उपचार**
- जन्मजात हृदय दोष वाले नवजातों में अस्थायी पेसिंग के लिए घुलनशील पेसमेकर उपयोगी।
- **पेसमेकर – शॉर्ट नोट्स (UPSC हिंदी)**
- **1. परिभाषा:**
- पेसमेकर एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जो असामान्य हृदय गति को सामान्य करता है।



सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **2. नवीनतम खोज:**
- नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया का सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर विकसित।
- आकार: 1.8 मिमी × 3.5 मिमी × 1 मिमी
- इंजेक्शन से प्रत्यारोपण योग्य – बिना सर्जरी।
- शरीर में घुल जाता है, निकालने की जरूरत नहीं।
- प्रकाश-सक्रिय – छाती पर पहना डिवाइस लाइट सिग्नल से नियंत्रित करता है।
- खुद ऊर्जा उत्पन्न करता है (धातुओं के रासायनिक प्रतिक्रिया से)।

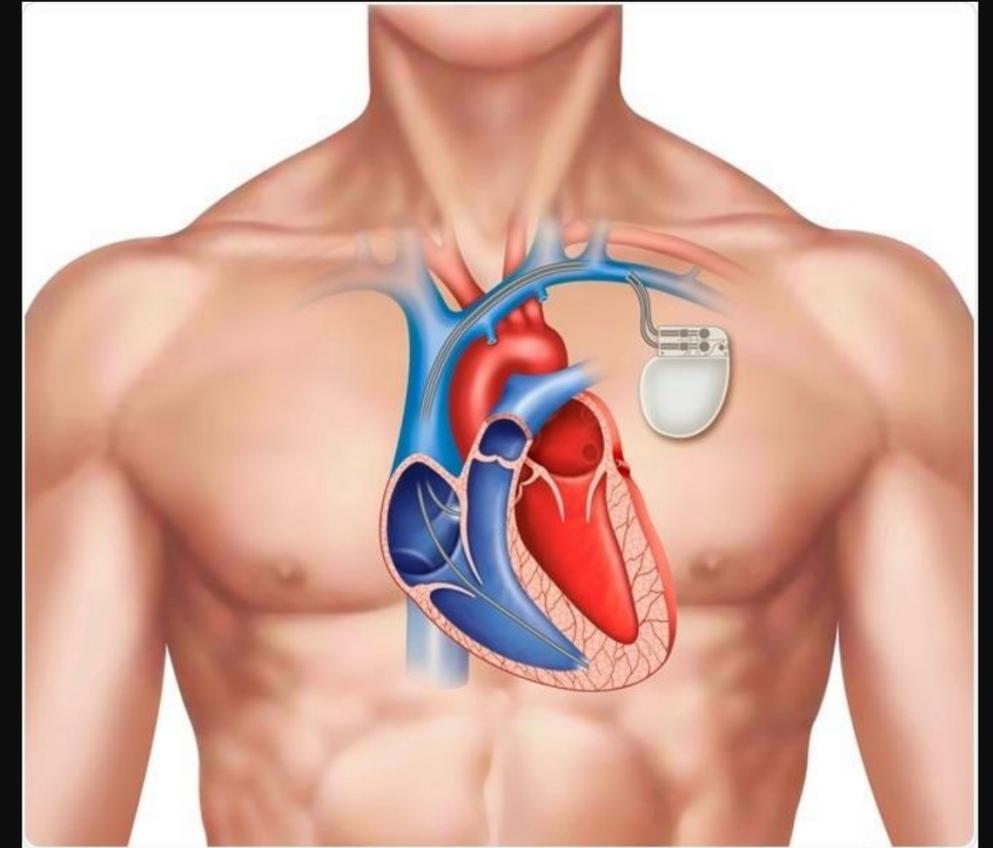


सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **3. विशेष उपयोग:**
 - विशेष रूप से नवजात शिशुओं में अस्थायी पेसिंग के लिए।
 - सर्जरी के बाद रिकवरी में सहायक, बिना संक्रमण जोखिम।
- **4. कार्य प्रणाली:**
 - दो घातुएँ बैटरी की तरह कार्य करती हैं।
 - अनियमित धड़कन पर डिवाइस प्रकाश संकेत भेजता है → पेसमेकर सक्रिय होता है।



सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर

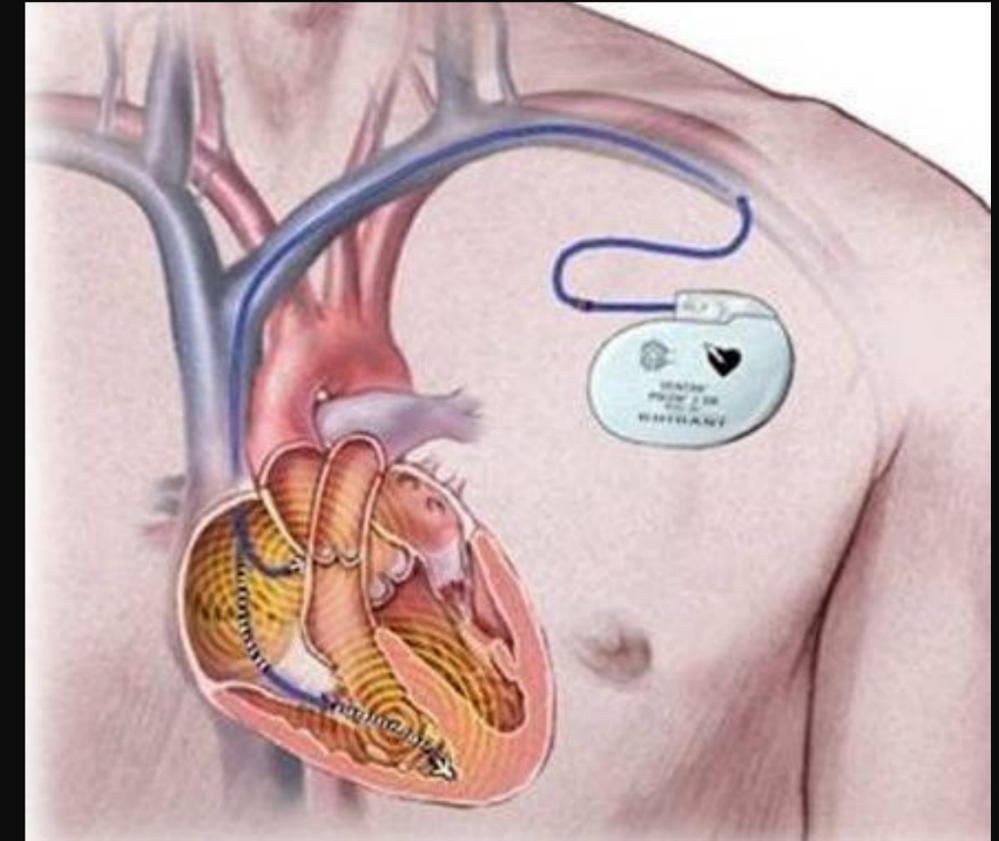


Daily Current News

- **5. भविष्य की संभावनाएँ:**
- नसों, हड्डियों को जोड़ना, घाव भरना, दर्द नियंत्रण जैसे बायोइलेक्ट्रॉनिक उपचारों में संभावित उपयोग।

- **6. इतिहास:**

वर्ष	आविष्कारक	योगदान
1889	जॉन मैकविलियम	विद्युत उत्तेजना द्वारा हृदय नियंत्रण
1926	लिडविल व बूथ	पहला पोर्टेबल पेसमेकर
1932	अल्बर्ट हाइमन	"आर्टिफिशियल पेसमेकर" शब्द व उपकरण
1958	Åke Senning	पहला इम्प्लांटेबल पेसमेकर
1960	विल्सन ग्रेटबैच	सफल इम्प्लांटेबल पेसमेकर (बैटरी चालित)

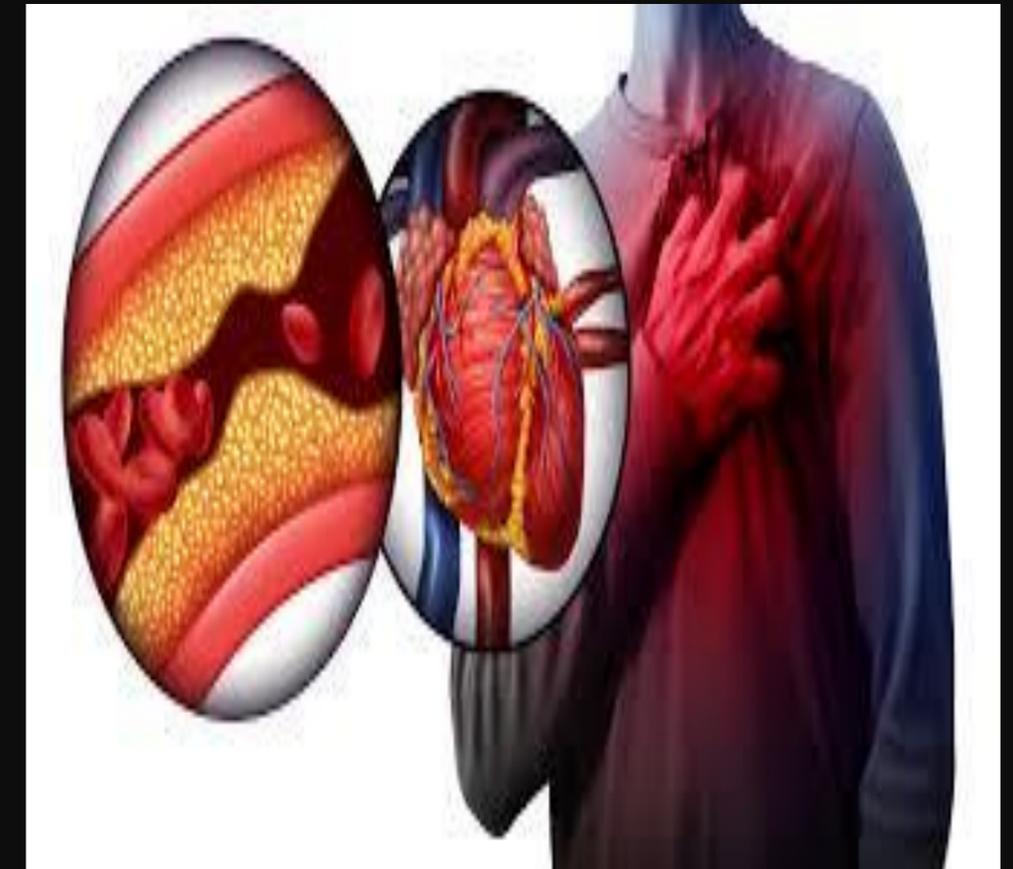


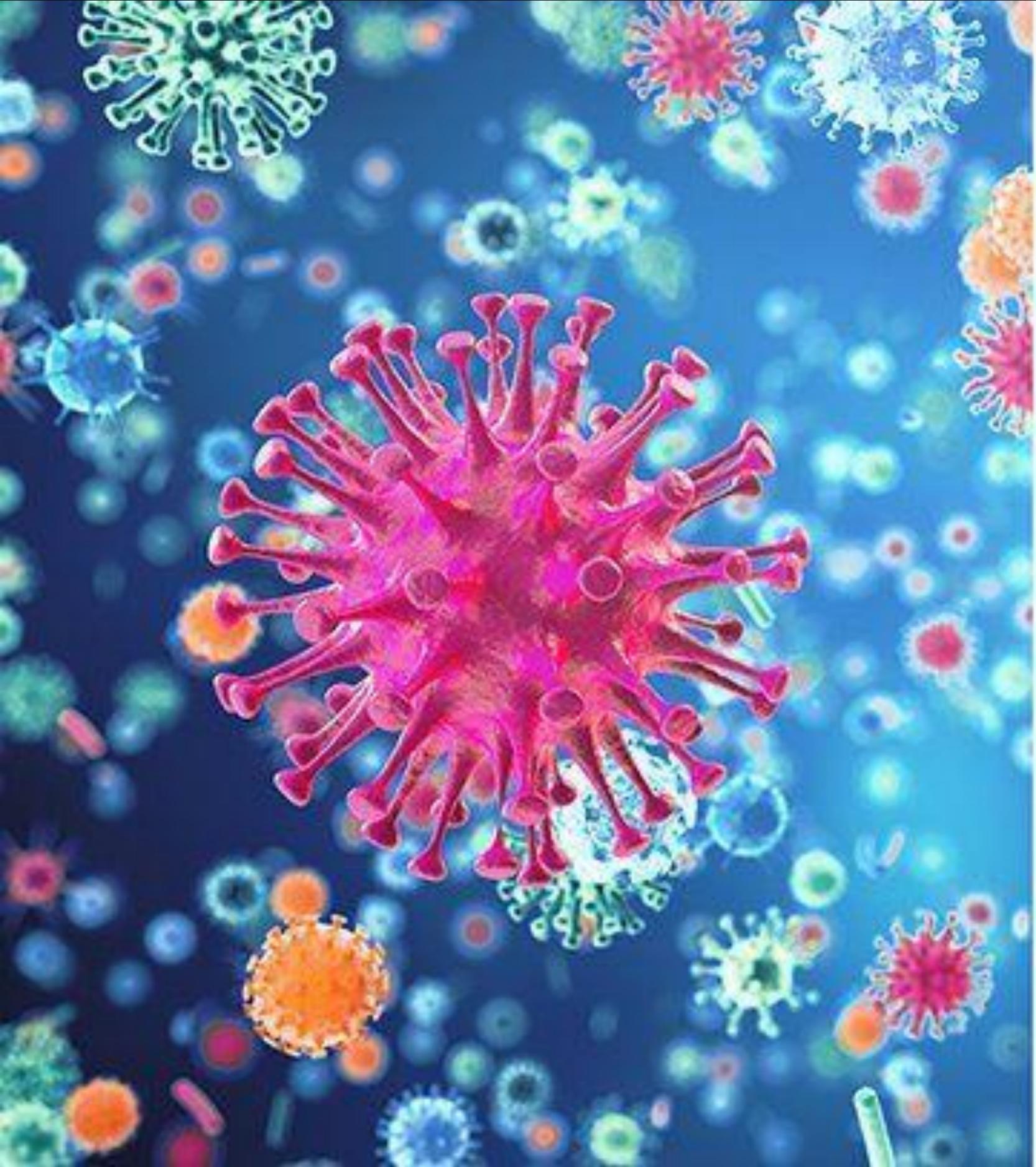
सबसे छोटा और घुलनशील पेसमेकर



Daily Current News

- **7. प्रमुख उपयोग:**
- 1. ब्रैडीकार्डिया – धीमी हृदय गति।
- 2. हार्ट ब्लॉक – ऊपरी व निचले कक्षों के बीच सिग्नल बाधा।
- 3. हृदय विफलता – CRT द्वारा समन्वयन।
- 4. अस्थायी पेसिंग – सर्जरी/अटैक के बाद।
- 5. नवजात उपचार – जन्मजात दोष में अस्थायी समाधान।





**मेनिनजाइटिस पर WHO
की नई वैश्विक गाइडलाइन**



- **1. मेनिनजाइटिस क्या है?**
- यह एक संक्रामक बीमारी है जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेरुदण्ड) के आसपास की झिल्लियों (meninges) में सूजन हो जाती है।
- **इसके प्रमुख कारण:**
- बैक्टीरिया,
- वायरस,
- कभी-कभी फंगस या पैरासाइट भी।
- यह बीमारी किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है।





- **2. कैसे फैलती है?**
- खांसने, छींकने या निकट संपर्क से।
- सबसे अधिक असर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में।
- सब-सहारा अफ्रीका में सबसे ज्यादा मामले – इस क्षेत्र को "Meningitis Belt" कहा जाता है (पश्चिमी सेनेगल से पूर्वी इथियोपिया तक फैला क्षेत्र)।





- **3. गंभीरता कितनी?**
- बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस सबसे खतरनाक, 24 घंटे में जानलेवा हो सकता है।
- हर 6 में से 1 मरीज की मृत्यु हो जाती है।
- 20% से अधिक रोगियों में स्थायी विकलांगता, जैसे सुनने की क्षमता का नुकसान, मानसिक या शारीरिक समस्याएँ।

MENINGITIS SYMPTOMS



Fever



Sleepiness



Light sensitivity



Vomiting



Joints pain



Seizures



- **4. WHO की नई गाइडलाइन – 2024 में जारी**
- उद्देश्य:
- समय पर पहचान,
- सही इलाज, और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करना।
- **किनके लिए?**
- प्राथमिक, द्वितीयक और आपात स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी।
- नीति-निर्माता, मेडिकल कॉलेज, NGO, शोधकर्ता और योजना बनाने वाले संस्थान।



**World Health
Organization**



- **5. गाइडलाइन में शामिल मुख्य बिंदु:**
- रोग की पहचान के तरीके
- एंटीबायोटिक थेरेपी की सिफारिशें
- सपोर्टिव केयर जैसे दवा, तरल पदार्थ देना, बुखार कम करना
- बीमारी के बाद देखभाल और फॉलोअप
- टीकाकरण पर विशेष ध्यान
- सुनने की जांच, खासकर बच्चों में





- **6. 2030 तक लक्ष्य – “Defeating Meningitis by 2030” (WHO Initiative)**
- टीकाकरण से रोके जा सकने वाले मामलों में 50% की कमी।
- मृत्यु दर में 70% की कमी।
- दिव्यांगता और दीर्घकालिक जटिलताओं में कमी।
- रोगियों की गुणवत्तापूर्ण देखभाल को बढ़ावा देना।
- डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए देशों को समर्थन।



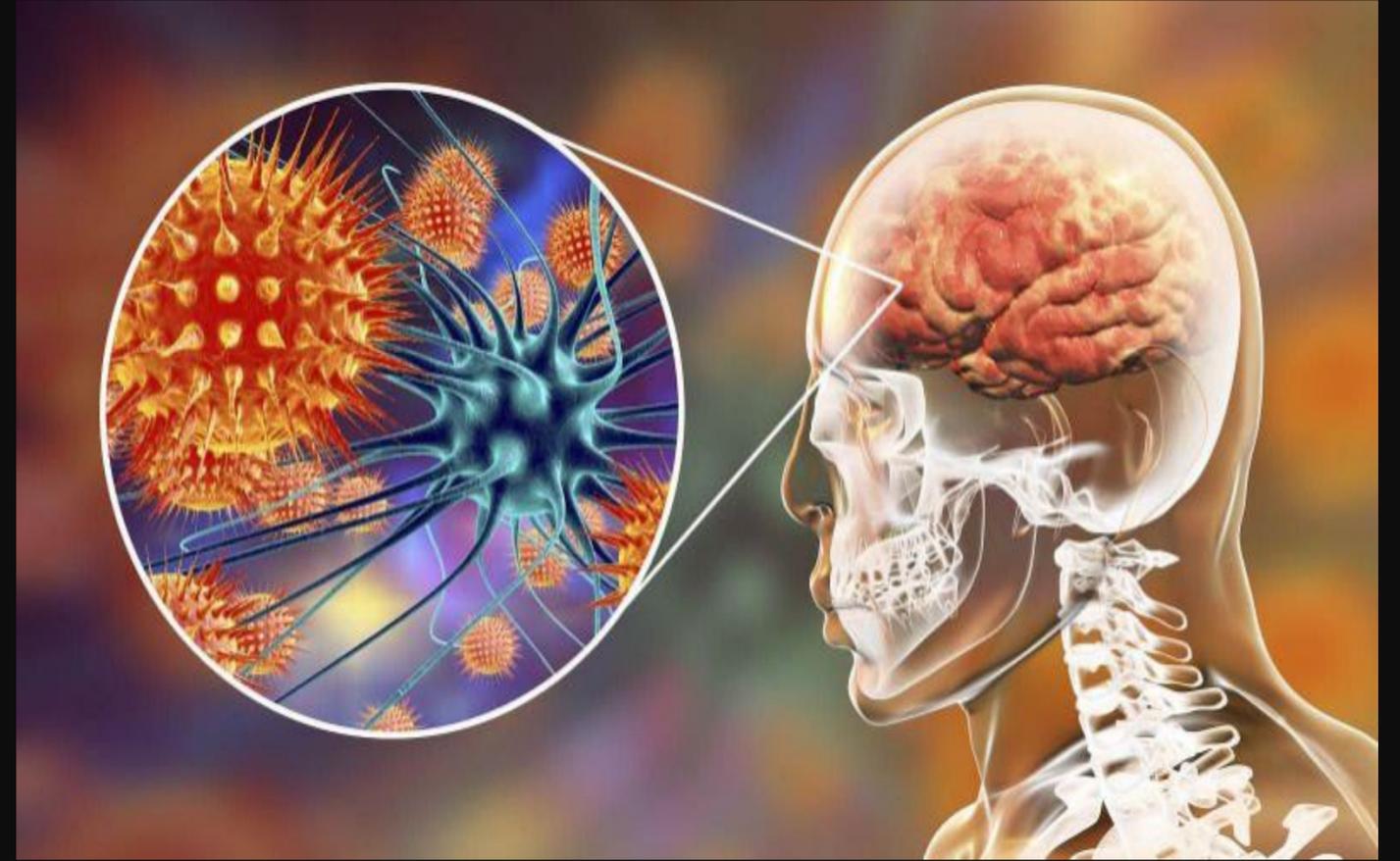


- **7. चुनौतियाँ**
- कई देशों में वैक्सीनेशन सुविधाओं की कमी।
- बीमारी की पहचान के लिए तकनीक व लैब की कमी।
- आपातकालीन स्थिति, संघर्ष या युद्धग्रस्त क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं।
- जागरूकता की कमी।





- **8. समाधान और भविष्य की दिशा**
- समय पर पहचान और इलाज ज़रूरी।
- वैक्सीनेशन अभियान मजबूत करना।
- नीति-निर्माण में सरकारों की भागीदारी बढ़ाना।
- सभी देशों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार।



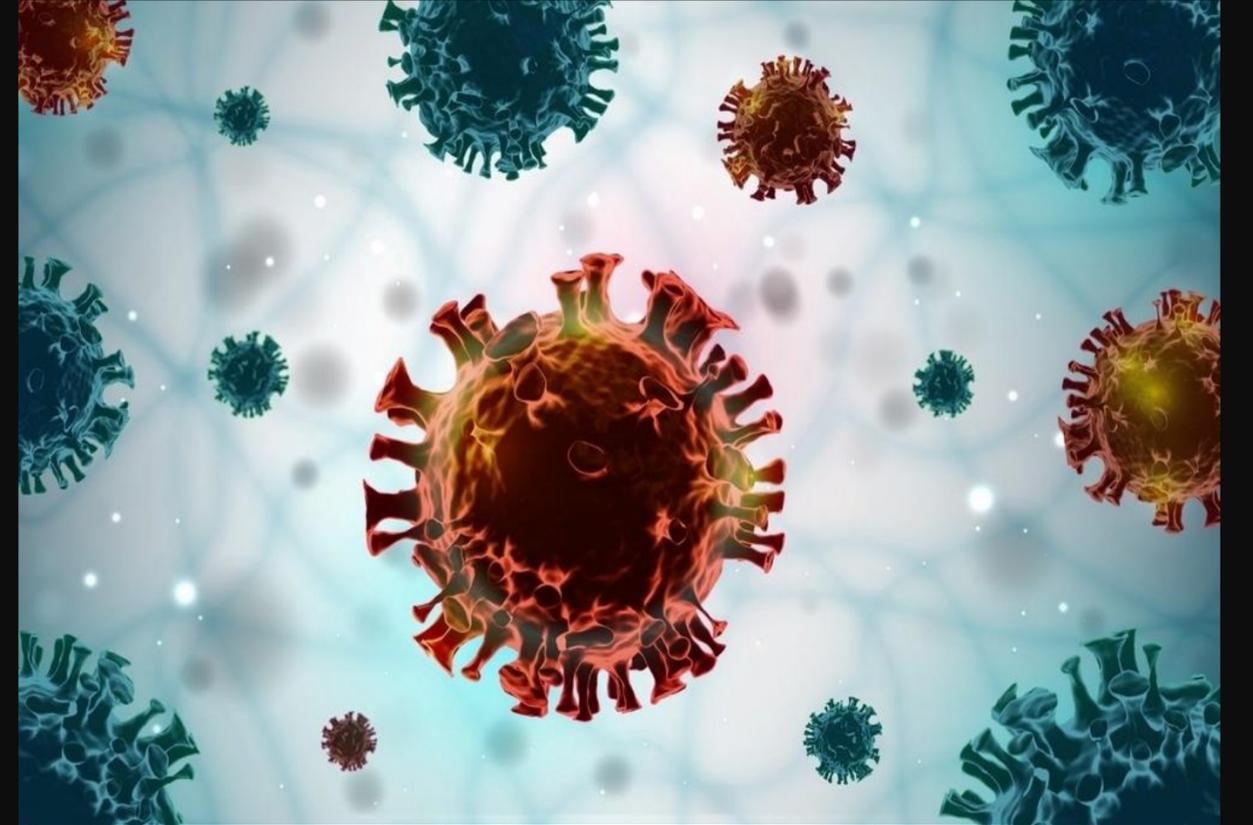


- भारत में मेनिनजाइटिस के मामलों की जानकारी निम्नलिखित है:
- भारत में मेनिनजाइटिस: प्रमुख तथ्य
- मेनिंगोकोकल मेनिनजाइटिस: भारत में इसका प्रसार अपेक्षाकृत कम है, लेकिन उत्तर भारत में कभी-कभार इसके मामले देखे जाते हैं।
- उत्तर भारत में मेनिंगोकोकल मेनिनजाइटिस के 2.7% मामले दर्ज किए गए हैं।





- एपिडेमिक और एंडेमिक केस: एपिडेमिक मामलों में मेनिंगोकोकल मेनिनजाइटिस के 12.1% और एंडेमिक मामलों में 0.76% मामले दर्ज किए गए हैं।
- एपिडेमिक मामलों में मृत्यु दर 12.8% पाई गई है।
- प्रभावित समूह: यह बीमारी मुख्य रूप से छोटे बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों को प्रभावित करती है।





- **रोकथाम और उपचार**
- टीकाकरण: भारत में मेनिनजाइटिस की रोकथाम के लिए मेनिंगोकोकल ACWY वैक्सीन उपलब्ध है, जो चार प्रकार के मेनिंगोकोकल सीरोटाइप्स से सुरक्षा प्रदान करती है।
- स्वच्छता उपाय: अच्छी स्वच्छता प्रथाओं, जैसे नियमित हाथ धोना और संक्रमित व्यक्तियों से दूरी बनाए रखना, मेनिनजाइटिस के प्रसार को रोकने में मदद कर सकते हैं।





INTERNATIONAL SOLAR ALLIANCE



मॉरीशस बना ISA के 'कंट्री पार्टनरशिप'



- मॉरीशस बना ISA के 'कंट्री पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर करने वाला पहला अफ्रीकी देश
- मॉरीशस ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के 'कंट्री पार्टनरशिप फ्रेमवर्क (CPF)' पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इसके साथ ही मॉरीशस यह कदम उठाने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया है।





- **CPF क्या है?**
- Country Partnership Framework (CPF), अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की एक रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य है:
- ISA और सदस्य देशों के बीच मध्यम और दीर्घकालिक सहयोग को मजबूती देना।
- साझा सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा को तेजी से अपनाना।
- स्थानीय जरूरतों और संसाधनों के अनुसार टेक्नोलॉजी, फंडिंग और विशेषज्ञता साझा करना।





- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA): एक परिचय**
- **स्थापना:**
- ISA की स्थापना भारत और फ्रांस ने COP-21 (2015, पेरिस) में मिलकर की थी।
- **मुख्यालय:**
- गुरुग्राम (हरियाणा), भारत
- **सदस्य देश:**
- 104 देश अब तक ISA समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं (मार्च 2025 तक)
- संशोधन (2020) के बाद अब संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश ISA में शामिल हो सकते हैं।





- **ISA का उद्देश्य और रणनीति**
- ISA का मिशन 'Towards 1000' रणनीति से संचालित होता है, जिसका मकसद है:
- 1. 2030 तक 1,000 अरब डॉलर का निवेश सौर ऊर्जा समाधानों में आकर्षित करना
- 2. 1,000 मिलियन लोगों को स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना
- 3. 1,000 गीगावाट (GW) सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करना
- 4. हर साल 1,000 मिलियन टन CO₂ उत्सर्जन को कम करना





- **ISA की प्रमुख पहलें**
- **1. SolarX Start-up Challenge**
- नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स और युवाओं को अनुदान और मार्गदर्शन दिया जाता है।
- **2. STAR-C पहल**
- सदस्य देशों में संस्थागत और तकनीकी क्षमताओं को विकसित करती है।





- **3. Global Solar Facility**
- यह वित्तीय गारंटी देने वाली व्यवस्था है जिससे निजी निवेशकों को प्रोत्साहन मिलता है।
- **4. Green Hydrogen Innovation Centre**
- यह सौर ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन के उपयोग में तालमेल पर काम करता है।





- **ISA में भारत की भूमिका**
- भारत ISA का सह-संस्थापक है।
- भारत ने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड (OSOWOG)' पहल की शुरुआत की है जो वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा को जोड़ने का प्रयास है।
- भारत ISA के अफ्रीकी और एशियाई देशों में सौर परियोजनाओं का वित्तपोषण करता है, तकनीकी सहायता देता है, और स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण भी देता है।
- भारत हर साल 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता ISA को देता है।





- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन क्यों है महत्वपूर्ण?**
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सौर ऊर्जा सबसे सुलभ, टिकाऊ और स्वच्छ उपाय है।
- ISA जैसे संगठन वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देकर गरीब और विकासशील देशों को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने में मदद करते हैं।
- यह पहल 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को हासिल करने की दिशा में भी अहम भूमिका निभाती है।

मॉरीशस बना ISA के 'कंट्री पार्टनरशिप



Daily Current News

Result Mitra

- OSOWOG: एक नजर में
- नाम का अर्थ:
- One Sun – एक ही सूरज सबके लिए
- One World – पूरी दुनिया एक साथ
- One Grid – एक साझा बिजली ग्रिड



- **OSOWOG का उद्देश्य**
- दुनियाभर में सौर ऊर्जा को साझा करना
- घंटों के अंतर का लाभ उठाकर जब एक क्षेत्र में सूरज नहीं होता, तो दूसरे क्षेत्र से बिजली भेजी जा सके
- हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) की पहुंच को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना
- कार्बन उत्सर्जन में कटौती और फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता को कम करना



- **OSOWOG के प्रमुख लक्ष्य**
- 1. वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाना
- 2. 24x7 सौर ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- 3. सौर ऊर्जा की कीमत घटाना
- 4. पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की जगह स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना
- 5. इंटरकनेक्टेड ग्रिड नेटवर्क बनाना जो सभी महाद्वीपों को जोड़ सके



- **OSOWOG के तीन चरण**
- चरण 1: भारत और पड़ोसी देशों के बीच ग्रिड इंटरकनेक्शन
- चरण 2: अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया को जोड़ना
- चरण 3: पूरी दुनिया को एक साझा सौर ग्रिड में लाना

मॉरीशस बना ISA के 'कंट्री पार्टनरशिप



Daily Current News

Result Mitra

- OSOWOG की साझेदार संस्थाएँ
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)
- विश्व बैंक (World Bank)
- ग्लोबल एनर्जी नेटवर्क इंस्टीट्यूट (GENI)

मॉरीशस बना ISA के 'कंट्री पार्टनरशिप



Daily Current News



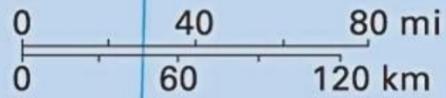
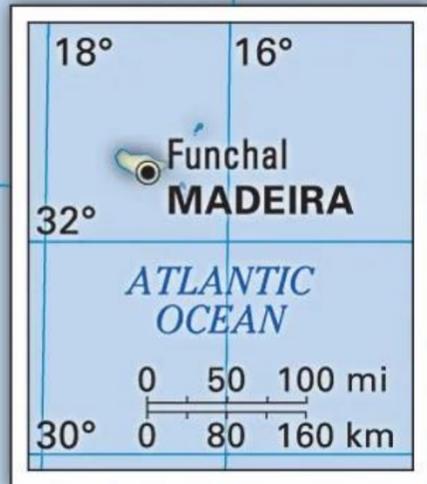
- OSOWOG के लाभ





- **OSOWOG क्यों है जरूरी?**
- दुनिया में अब भी 70 करोड़ से ज्यादा लोगों को बिजली नहीं मिलती।
- सौर ऊर्जा सस्ती, साफ और असीमित है, पर हर जगह सूरज नहीं चमकता।
- इस पहल से जहां सूरज चमक रहा हो, वहां की बिजली बाकी दुनिया को दी जा सकती है।









Thank
you

